Dainik Bhaskar (Indore), 10th November 2021, Page-Front page 01

आईआईटी इंदौर का यूनेस्को-यूनाइटेड नेशंस से करार

कोरोना जैसी महामारी से लड़ने को इंदौर में बनेगा ग्लोबल पेंडेमिक हब

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कोरोना से लड़ने के लिए दुनिया का कोई देश, कोई शहर तैयार नहीं था। इस महामारी ने जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। अब ऐसे हालात न बनें और हम फाइटबैक के लिए तैयार रहें इस मकसद से आईआईटी इंदौर शहर में ग्लोबल पेंडेमिक हब तैयार करने जा रहा है। मंगलवार को आईआईटी के दीक्षांत समारोह में निदेशक नीलेश कुमार जैन ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोरोनाकाल में हर तरह की चुनौतियां आईं। उस दौरान संस्थान में वैक्सीन, प्रोटीन, कम्प्यूटराइज्ड डिस्कवरी, कोविड की ड्रग डिस्कवरी भी की गई।

ब्लड कैंसर की दवा पर रिसर्च हुई, लेकिन अब हम कोरोना जैसी वैश्विक आपदा से लड़ने की तैयारी में जुटे हैं। इसके लिए एक ऐसा ग्लोबल पेंडेमिक हब बनाएंगे जो मलेरिया, चिकनगुनिया, बैक्टीरिया और वायरस वॉर और कोविड जैसी महामारियों से लड़ने में भी मदद करेगा। इस पेंडेमिक हब में ड्रग इन्वेंशन, पेंडेमिक मैनेजमेंट और कंट्रोल पर काम किया जाएगा। आईआईटी इंदौर ने इसके लिए यूनेस्को और यूनाइटेड नेशंस के साथ एमओयू भी साइन किया है।